

तमिहाी रोज़गार सरवेक्षण (QES)

प्रलिमिंस के लयि:

अखलि भारतीय त्रैमासकि स्थापना-आधारति रोज़गार सरवेक्षण (AQEES), त्रैमासकि रोज़गार सरवेक्षण, आवधकि श्रम बल सरवेक्षण (PLFS), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन

मेन्स के लयि:

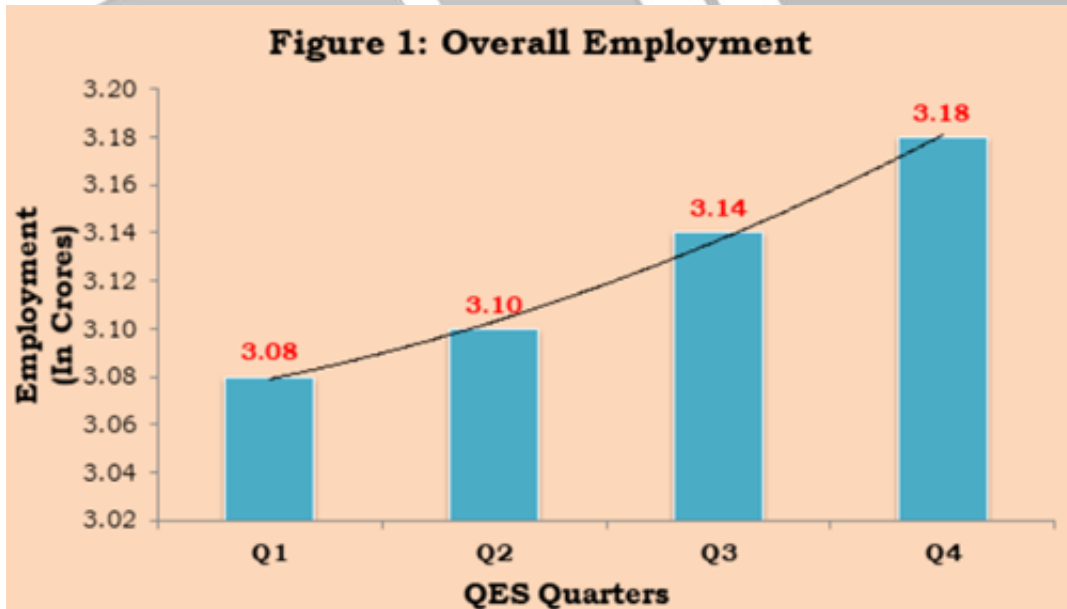
सरकार के सरवेक्षण और रोज़गार डेटा प्राप्त करने के तरीके

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अखलि भारतीय त्रैमासकि स्थापना आधारति रोज़गार सरवेक्षण (AQEES) के तहत तमिहाी रोज़गार सरवेक्षण (QES) के चौथे दौर (जनवरी-मार्च 2022) की रिपोर्ट जारी की गई।

QES 2022 के प्रमुख नषिकर्ष:

- कुल रोज़गार:
 - चौथे राउंड के दौरान 31 लाख प्रतषिठानों में अनुमानति तौर पर कुल 3.18 करोड कामगार काम कर रहे हैं, तीसरी तमिहाी में यह आँकड़ा 3.14 करोड था।



- कषेत्रवार आँकडे:
 - वनरिमाण कषेत्र: 38.5%
 - शकिषा: 21.7%
 - सूचना प्रौद्योगकि / बज़िनेस प्रोसेस आउटसोर्सगि (BPO): 12%
 - स्वास्थ्य कषेत्र: 6%

■ संगठनों का आकार:

- अगर प्रतष्ठानों को श्रमिकों की संख्या के हिसाब से देखें तो अनुमानित रूप से 80 प्रतष्ठित प्रतष्ठानों में 10 से 99 श्रमिक काम कर रहे हैं।
 - अगर हम 10 या इससे अधिक श्रमिकों वाले प्रतष्ठानों की बात करें तो यह आँकड़ा बढ़कर 88 प्रतष्ठित हो जाएगा।
 - करीब 12 प्रतष्ठित प्रतष्ठानों में 10 से कम श्रमिक काम कर रहे हैं।
- केवल 4 प्रतष्ठित प्रतष्ठानों में कम-से-कम 500 श्रमिक काम कर रहे हैं।
 - ऐसे बड़े प्रतष्ठान ज्यादातर IT/BPO और स्वास्थ्य क्षेत्र में हैं।

■ महिलाओं की भागीदारी:

- चौथी तमिही की रिपोर्ट में महिला कामगारों की हिस्सेदारी तीसरी तमिही के 31.6 प्रतष्ठित से मामूली रूप से बढ़कर 31.8 प्रतष्ठित हो गई है।
- क्षेत्रवार भागीदारी:
 - स्वास्थ्य: 52%
 - शिक्षा: 44%
 - वित्तीय सेवाएँ: 41%
 - IT/BPO: 36%
- उल्लेखनीय है कि वित्तीय सेवाओं में स्वरोजगार करने वाले व्यक्तियों में महिलाओं की संख्या पुरुषों से कहीं अधिक है।

अखिल भारतीय त्रैमासिक स्थापना आधारित रोजगार सर्वेक्षण (AQEES):

- श्रम ब्यूरो द्वारा 'ऑल-इंडिया क्वार्टरली एस्टैब्लिशमेंट-बेस्ड एम्प्लॉयमेंट सर्वे' को नौ चयनित क्षेत्रों के संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों में रोजगार एवं प्रतष्ठानों के संबंध में तमिही आधार पर अद्यतन करने के लिये आयोजित किया जाता है।
- AQEES के तहत मुख्यतः दो घटक हैं:
 - 'त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण' (QES):
 - यह 9 क्षेत्रों में संगठित खंड में 10 या अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाले प्रतष्ठानों के लिये रोजगार अनुमान प्रदान करता है।
 - ये 9 क्षेत्र हैं- वनरिमाण, नरिमाण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रेस्तरां, IT/BPO, वित्तीय सेवा गतिविधियाँ।
 - एरिया फ़रेम एस्टैब्लिशमेंट सर्वे (AFES): यह एक सैंपल सर्वे द्वारा असंगठित क्षेत्र (10 से कम श्रमिकों के साथ) को कवर करता है।

QES और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) में अंतर:

- जहाँ एक ओर त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण (QES) मांग पक्ष की तस्वीर प्रदान करता है, वहीं 'राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण' या 'आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण' (PLFS) श्रम बाजार के आपूर्तिकर्ता की तस्वीर प्रस्तुत करता है।
- 'आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण' का संचालन 'सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय' के तहत 'राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन' (NSO) द्वारा किया जाता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन 'औद्योगिक श्रमिकों के लिये उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या' प्रस्तुत करता है? (2015)

- (a) भारतीय रज़िर्व बैंक
- (b) आर्थिक मामलों का विभाग
- (c) श्रम ब्यूरो
- (d) कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- औद्योगिक कामगारों के लिये उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या (CPI-IW) एक सूचकांक है जिसे एक परिभाषित आबादी (अर्थात् औद्योगिक श्रमिकों) द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों में समय के साथ बदलाव को मापने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- CPI-IW श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत एक संलग्न कार्यालय, श्रम ब्यूरो द्वारा संकलित किया जाता है।
- CPI-IW की वर्तमान शृंखला (आधार 2016 = 100) देश के 88 चयनित केंद्रों के लिये संकलित की गई है। औद्योगिक श्रमिकों के लिये अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक इन 88 केंद्रों के सूचकांकों का भारित औसत है।
- इन केंद्रों को पहली बार देश में औद्योगिक महत्त्व के आधार पर चुना गया है और फरि राज्य में औद्योगिक रोजगार के अनुपात में विभिन्न राज्यों में

